भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

06.08.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2914 का उत्तर

थावे से महानगरीय शहरों तक रेल संपर्क

2914. डॉ. आलोक कुमार सुमन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि बिहार से थावे जंक्शन तक दिल्ली, मुंबई जैसे महानगरों के लिए रेल संपर्क बहुत कम है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि गोरखपुर के उच्च अधिकारी ने थावे जंक्शन से ट्रेन चलाने का प्रस्ताव अग्रेषित किया है जो रेलवे बोर्ड में लंबित है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) रेलवे बोर्ड में थावे जंक्शन से ट्रेन चलाने के कितने प्रस्ताव लंबित हैं; और

(घ) क्या मंत्रालय ने थावे जंक्शन से ट्रेन चलाने के लंबित प्रस्तावों पर कोई निर्णय लिया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): वर्तमान में, 06 मेल/एक्सप्रेस और 22 पैसेंजर नियमित रेलगाड़ियाँ थावे स्टेशन के यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा कर रही हैं। ये सेवाएँ सीवान, पाटलिपुत्र, गोरखपुर आदि जैसे विभिन्न गंतव्यों के लिए संपर्कता प्रदान कर रही हैं। इसके अतिरिक्त, 05305/06 छपरा-आनंद विहार (टी) स्पेशल और 05059/60 कोलकाता-लालकुआँ स्पेशल सेवाएं दिल्ली और कोलकाता क्षेत्र के लिए संपर्कता मुहैया करा रही हैं।

इसके अलावा, थावे के यात्रियों को अतिरिक्त सेवाएँ प्रदान करने के लिए, 19045/46 सूरत-छपरा एक्सप्रेस का विस्तार थावे तक करने का भी निर्णय लिया गया है।

इसके अतिरिक्त, सीवान जो थावे से 28 कि.मी. की दूरी पर स्थित है, मुंबई, दिल्ली आदि महानगरों से भी भली-भांति जुड़ा हुआ है जिसका लाभ थावे के यात्री भी उठा सकते हैं।

बहरहाल, क्षेत्रीय रेलों से प्रस्तावों की प्राप्ति और उन पर कार्रवाई सतत प्रक्रिया है, जो परिचालनिक व्यवहार्यता, संसाधन उपलब्धता, प्रतिस्पर्धी माँग आदि के अध्यधीन है।

******